दाँतों के सीधाई में होने से जुडी स्थिति, संस्करण दो

ऑर्थोडोंटिक उपचार क्या होता है?

• ऑर्थोडोंटिक उपचार में दाँतों और जबड़ों सीधाई में न होने से जुडी समस्याओं का उपचार करने के लिए शोधक उपकरणों का उपयोग करना शामिल होता है।

• ऑर्थोडोंटिस्टों के द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सबसे आम ऑर्थोडोंटिक उपकरण चिपकाने वाली वस्तुओं और तारों के द्वारा लगाए जाने वाले फिक्स्ड ब्रैसेज़ होते हैं।

• कुछ बढ़ते हुए बच्चों के लिए, जबड़े की हड्डियों की वृद्धि में सुधार करने के लिए ऑर्थोडोंटिस्टों के द्वारा कभी-कभी हटाए या स्थाई रूप से लगाए जा सकने वाले काम में आने लायक उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

• कुछ सामान्य मामलों में, उपचार से अपेक्षित परिणामों को प्राप्त करने के लिए हटाए जा सकने वाले उपकरण पर्याप्त होते हैं।

किन स्थितियों में ऑर्थोडोंटिक उपचार प्राप्त करना चाहिए?

निम्नलिखित स्थितियों में ऑर्थोडोंटिक उपचार प्राप्त करना चाहिए:

• टेढ़े-मेढ़े दाँत व्यक्ति के रूप और उसकी मनोवैज्ञानिक अवस्था को प्रभावित करते हैं, सामान्य तौर पर बच्चे एवं युवा इससे अधिक प्रभावित होते हैं।

• जो दाँत सीधाई में नही होते हैं, उन्हें साफ करना अधिक कठिन होता है। दाँतों पर जमने वाला मैल और भोजन के कण आसानी से फँस जाते हैं, जिसके कारण दाँतों के सड़ने और मसूड़े का रोग होने का खतरा पैदा हो जाता है।

• बाहर निकले हुए दाँत (प्रोट्रूसिव टीथ) या ऊपर के दाँतों से ज्यादा आगे निकले हुए नीचे के दाँत (रिवर्स बाइट)

• पूअर बाइट के कारण मसूड़ों को चोट पहुँच सकती है और चबाने में दिक्कतें हो सकती हैं

सामान्य प्रश्न

1. ऑर्थोडोंटिक उपचार शुरू करने का सबसे बढ़िया समय कौन-सा है?

बढ़ते हुए बच्चों पर, इस उपचार का बेहतर असर होता है। वयस्कों के मामले में ऑर्थोडोंटिक उपचार प्रायः लंबा चलता है क्योंकि वयस्कों का बढ़ना रुक चुका होता है। वयस्कों के मामले में जटिलताओं के पैदा होने का जोखिम भी अधिक होता है। आपका ऑर्थोडोंटिस्ट आपको उपचार प्राप्त करने के उचित समय के बारे में सलाह देगा।

2. क्या ऑर्थोडोंटिक उपचार में दर्द होता है?

पहली बार ब्रैसेज़ लगाने पर या जब उनको उपचार के दौरान ठीक करके लगाया जाता है तब अधिकतर लोगों को छूने पर थोड़ी पीड़ा होती है। तकलीफ थोड़ी देर में खत्म हो जाती है और आसानी से ठीक की जा सकती है।

3. ऑर्थोडोंटिक उपचार के क्या दुष्प्रभाव होते हैं?

ऑर्थोडोंटिक उपचार के दौरान मुँह की सफाई पर ध्यान नही देने से दाँत सड़ सकते हैं, उन पर सफेद धब्बे (डीकैल्सीफिकेशन) हो सकते हैं और मसूड़े का रोग हो सकता है। पहले कभी सड़न या आघात से चोटिल हुआ कोई दाँत एक समयावधि के बाद मर सकता है। ऑर्थोडोंटिक उपचार के दौरान मरा हुआ दाँत तेज दर्द करना शुरू कर सकता है, जिसके कारण रूट कैनाल का उपचार करने की आवश्यकता पड़ सकती है।

4. ऑर्थोडोंटिक उपचार के बाद क्या मेरे दाँत फिर से टेढ़े-मेढ़े हो जाएंगे?

दाँत पूरी ज़िंदगी खिसकते रहते हैं। दाँत ज़्यादातर सामान्य सीमाओं के भीतर ही खिसकते हैं, और रिटेनर्स को ढंग से पहनकर रखने से कम से कम खिसकते हैं।

ध्यान देने योग्य बातें:

ऑर्थोडोंटिक उपचार एक लंबी प्रक्रिया है और इसमे उपचार लेने वाले की प्रतिबद्धता एवं उसके सहयोग की अधिक आवश्यकता होती है।

- दाँत का बहुत हल्का-सा खिसकना शरीर की एक सामान्य घटना है, ऑर्थोडोंटिक उपचार सभी स्थितियों के लिए आवश्यक और एकसमान लाभकारी नही होता है।
- आपको अपना निर्णय लेने से पहले प्रस्तावित उपचार से सम्बन्धित संभावित मुश्किलों एवं जोखिमों के बारे में ऑर्थोडोंटिस्ट की सलाह लेनी चाहिए और इन्हें समझ लेना चाहिए।